विस्तृत कार्ययोजना तैयार, यूपीएलसी ने प्रक्रिया शुरू कर दी, इच्छुक कंपनियों से मांगे गए आवदेन

लखनऊ का नादरगंज एआई सिटी के तौर पर विकसित किया जाएगा

40 एकड़ जमीन में नादरगंज में आईटी हॉस्पॉट के तौर बसाने की तैयारी

25 फीसदी एकमुश्त कैपेक्स सपोर्ट प्रस्तावित होगा

बदलता लखनऊ

- आईटी-इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के स्वामित्व के 40 एकड़ को एआई सिटी के लिए देखा गया
- 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा टर्नओवर वाले डेवलपर को मिलेगा काम का अवसर

लखनऊ, विशेष संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को देश के उभरते हुए आईटी हॉस्पॉट के तौर पर स्थापित करने के लिए नादरगंज क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सिटी के विकास की प्रक्रिया को हरी झंडी दे दी गई है।

लखनऊ में एआई सिटी के विकास के लिए सीएम योगी के दिशा-निर्देश में एक विस्तृत कार्ययोजना बनाई गई है, जिसको क्रियान्वित करते हुए यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीएलसी) ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। यूपीएलसी द्वारा इस उद्देश्य से 'यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण नीति (यूपीईएमपी)' के अंतर्गत दिग्गज रियल स्टेट डेवलपर कंपनियों व एजेंसियों से शहर के डिजाइन, विकास व संचालन के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंट्रेस्ट के जरिए आवेदन मांगे हैं।

इस परियोजना के तहत आईटी कंपनियों के लिए ग्रेड-ए सर्टिफाइड कमर्शियल स्पेस, स्टेट ऑफ द आर्ट डाटा सेंटर, ग्रेड-ए फ्लेक्सिबल वर्क प्लेसेस व टेक लैब्स के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा। वहीं, कमर्शियल स्पेसेस के साथ लग्जरी व अफोर्डेबल हाउसिंग रेसिडेंशियल कॉम्पलेक्स, रीक्रिएशन एरिया, हरित क्षेत्र समेत कई वर्ल्ड क्लास एमिनिटीज के निर्माण का रास्ता भी साफ होगा। परियोजना के तहत आईटी व इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने लखनऊ के प्रमुख स्थानों पर एआई सिटी के विकास के लिए संभावित लैंड पार्सल की पहचान की है। आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के स्वामित्व वाले 40 एकड़ भूमि पार्सल को एआई सिटी के लिए पहचाना गया है। यह भूमि नादरगंज औद्योगिक क्षेत्र के प्रमुख स्थान पर है। हवाई अड्डे से तीन किमी दूर है। भूमि क्षेत्र तक दो-लेन की सड़क के माध्यम से पहुंचा जा सकता है। लखनऊ-कानपुर राजमार्ग के पास, कनेक्टिविटी, प्राइम लोकेशन बेस, सुविधाओं से युक्त यह क्षेत्र एआई सिटी की स्थापना के लिए अनुकूल अवसर प्रस्तुत करता है। यूपीएलसी ने ईओआई से जिन रियल स्टेट डेवलपर्स से आवेदन मांगे हैं, उन्हें एआई सिटी से संबंधित सुविधाओं का खाका खींचने, निर्माण, संचालन पर काम करना होगा।

कई खूबियों से लैस होगी एआई सिटी

आईटी पार्क के लिए एकमुश्त 25 फीसदी से लेकर 20 करोड़ रुपये तक का कैपेक्स सपोर्ट और आईटी सिटी के लिए 100 करोड़ रुपये तक का कैपेक्स समर्थन मुख्य है। वहीं, आईटी और आईटीईएस नीति 2022 के अनुसार 100% स्टांप शुल्क में छूट, गैर-वित्तीय सहायता, लीज रेंटल, क्लाउड सेवा लागत, बिजली शुल्क और बैंडविड्थ खर्च के लिए भी वित्तीय व गैर वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। आईटी पेशेवरों के लिए आकर्षक हरित स्थान, मनोरंजक और सामाजिक बुनियादी ढांचे का निर्माण, एआई-संचालित जलवायु नियंत्रण, प्रकाश व्यवस्था और ऊर्जा प्रबंधन प्रणालियों से सुसज्जित संज्ञानात्मक भवन विकसित करने के साथ ही एआई सिटी का सफल संचालन और रखरखाव का कार्य करना होगा। इस कार्य के लिए जिन डेवलपर्स को तरजीह दी जाएगी उनका एनुअल टर्नओवर 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा का होगा।

एआई सिटी के लिए सबसे उपयुक्त क्षेत्र

- लखनऊ में बीपीएम सहित 800 से अधिक संपन्न तकनीकी-संबंधित व्यवसायों और 200 से अधिक प्रौद्योगिकी स्टार्टअप्स की उपस्थिति है।
- एआई सीओई (आईआईआईटी लखनऊ में केंद्र) अकेले 15 से अधिक एआई/एमएल स्टार्टअप का समर्थन करता है
- लखनऊ आईटी उद्योग में एचसीएल और टीसीएस जैसे दिग्गजों की भी उपस्थिति है।
- लखनऊ में 82.5% वयस्क साक्षरता के साथ कुशल कार्यबल भी उपलब्ध है।
- शहर में 75,000 से अधिक तकनीकी पेशेवर, 23,000 एसटीईएम स्नातक, और 300+ कॉलेज भी हैं जिनमें आईआईएम-लखनऊ, आईआईआईटी-लखनऊ, बीबीडीयू और एमिटी जैसे प्रसिद्ध संस्थान शामिल हैं।
- लखनऊ में टियर 1 शहरों की तुलना में 40-50% कम किराये, सह-कार्य सुविधाओं और मजबूत 5जी और फाइबर कनेक्टिविटी पर उपलब्ध हैं।
- शहर में 85 किलोमीटर की मौजूदा और नियोजित मेट्रो लाइनें भी हैं जो गोमती नगर, हजरतगंज और हवाई अड्डे जैसे प्रमुख केंद्रों को जोड़ती हैं।
- कनेक्टिविटी के मामले में, लखनऊ दिल्ली, बैंगलोर, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे प्रमुख शहरों के लिए 60+ दैनिक उड़ानें प्रदान करता है